हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 अंक : 77 प्रयागराज, शनिवार 17 जून , 2023 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 3 रुपया

गुजरात में चक्रवाती तूफान बिपारजॉय से किसी की जान नहीं गई, एनडीआरएफ डीजी का दावा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक अतुल करवाल ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में चक्रवाती तूफान बिपारजॉय के आने के बाद किसी की जान नहीं गई है। हालांकि 23 लोग विभिन्न घटनाओं में घायल हुए हैं और राज्य के कम से कम एक हजार गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चक्रवाती तूफान 'बिपारजॉय के कारण तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने से कच्छ और सौराष्ट्र के इलाकों में भारी तबाही हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि चक्रवाती तूफान के जखौ बंदरगाह के निकट पहुंचने की प्रक्रिया बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े छह बजे शुरू हुई और देर रात दो बजकर 30 मिनट तक चली। इस दौरान पूरे कच्छ जिले में भारी बारिश हुई। करवाल ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि दुर्भाग्य से तूफान के गुजरात पहुंचने के पहले दो लोगों की मौत हो गई लेकिन तूफान के पहुंचने के बाद कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रशासन तथा अन्य एजेंसियों ने जानमाल का कम से कम नुकसान सुनिश्चित करने के लिए मिल कर काम किया था और यह उसी का नतीजा है। एनडीआरएफ के महानिदेशक ने कहा कि तूफान से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 23 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि राज्य के कम से कम एक हजार गांव बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। इनमें 40 प्रतिशत बिजली संकट अकेले कच्छ जिले में है। करवाल ने कहा,'' 500 कच्ची अथवा फूस की झोपड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, कुछ पक्के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है और 800 पेड़ उखड़ गए हैं। हमारी और राज्य आपदा मोचन बल की टीम हालात को सामान्य बनाने और प्रभावितों की मदद के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकतर सड़क मार्ग साफ है और सेलफोन नेटवर्क ''अब भी काम कर रहे हैं। राजकोट के अलावा गुजरात में कहीं भारी बारिश नहीं हो रही है। गुजरात के तटीय इलाकों में पहुंचने के कुछ घंटों बाद चक्रवात की तीव्रता कम होकर 'बेहद गंभीर से 'गंभीर श्रेणी में आ गई। चक्रवात उत्तर पूर्व की ओर बढ़ने के साथ कमजोर पड़ गया है। शाम तक यह दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो जाएगा। चक्रवात अब दक्षिण राजस्थान की ओर बढ़ रहा है तथा एनडीआरएफ ने राज्य सरकार से विचार विमर्श करके एक टीम जलोर में पहले ही तैनात कर दी है क्योंकि भारी बारिश से बाढ़ आने और लोगों के फंसने का खतरा है। राहत तथा बचाव कार्य के लिए गुजरात में एनडीआरएफ की 18 टीम पेड़ काटने वाली मशीनों तथा नौकाओं के साथ तैनात हैं। उन्होंने कहा कि चक्रवात से पैदा किसी भी हालात से निपटने के लिए महाराष्ट्र में पांच तथा कर्नाटक में चार टीम तैनात हैं।

राजद के नेता ने रामचरितमानस के लिखने पर दिया विवादास्पद बयान

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री और राजद नेता चंद्रशेखर द्वारा रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों को लेकर उठाए गए सवाल के बाद राजद के एक और नेता ने रामचरितमानस के लिखने पर विवादास्पद बयान दे दिया है। भाजपा ने उनके बयान पर राजद के लोगों को ही विकृत मानसिकता वाला बताया है। राजद नेता और विधायक रीतलाल यादव ने कहा कि रामचरितमानस मस्जिद में बैठकर लिखी गई थी। रीतलाल यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज लोग एक–दूसरे को लड़ाने में लगे हुए हैं। लोग राम मंदिर की चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास उठाकर देखिए कि रामचरितमानस मस्जिद में बैठकर लिखी गई। उस वक्त हमारा हिंदुत्व खतरे में नहीं था। जब इतने साल मुगलों ने राज किया, तब हिंदुत्व खतरे में नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि जब मुस्लिम लड़की ने भागवत कथा कही, तब किसी ने नहीं कुछ कहा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि उस वक्त क्यों नहीं उसे देश से भगा दिया। राजद विधायक ने तंज कसते हुए कहा कि आप सच्चा हिंदू बनना चाहते हैं तो अपनी पार्टी से सभी मुस्लिमों को भगा दें।

ममता के राज में बंगाल में हो रही है हिंसा : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर हो रही हिंसा के लिए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि उनके संरक्षण में प्रदेश में हिंसा का तांडव हो रहा है। जनता टीएमसी को उसी तरह सबक सिखाएगी जैसे कम्युनिस्ट पार्टियों को सिखाया था। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी कार्यकताओं पर जानलेवा हमले की 25 से 30 घटनाओं की सूची होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सरकार और पुलिस, जिस तरह से बर्ताव कर रही है वो भारत के लोकतांत्रिक और चुनावी इतिहास में एक बहुत ही काला अध्याय है।राज्य चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नामांकन के अंतिम दिन पश्चिम बंगाल के 341 ब्लॉक में टीएमसी के 40 हजार से ज्यादा नेताओं ने नामांकन किया। इसके अलावा लेफ्ट दलों, कांग्रेस और भाजपा के कार्यकताओं ने भी नामांकन किया। यानी एक व्यक्ति के नामांकन की जांच पर औसतन 2 मिनट का समय आया। जबकि, 2 मिनट में नामांकन पत्र की जांच करना संभव ही नहीं है। इस गति से हुए नामांकन दशार्ते हैं कि टीएमसी की सरकार ने किस तरह से व्यवस्था को अपने हाथ में लिया हुआ है।त्रिवेदी ने ममता बनर्जी को उनके संघर्ष के दौर की याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं कम्युनिस्ट सरकार की हिंसा के खिलाफ संघर्ष किया था और उस समय भाजपा ने उनका साथ दिया था। आज ममता बनर्जी सरकार दमनकारी सरकार बन गई है। लेकिन, लोकतंत्र में जनता मालिक है। जनता ने कम्युनिस्ट सरकार को भी सबक सिखाया था और जनता टीएमसी को भी सबक सिखाएगी।सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रीय स्तर पर ममता बनर्जी के साथ खड़े होने वाले और मोदी सरकार पर लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल पूछा कि, लोकतंत्र का, हिंसा से घायल जो स्वरूप आज पश्चिम बंगाल में दिख रहा है, जो ममता बनर्जी श्मां, माटी, मानुसश की बात करती थीं, आज उनके दौर में बंगाल में भारत मां के विरुद्ध शक्तियां खड़ी हो रही हैं, माटी खून से सनी है और मनुष्यता पूरी तरह से व्यथित और कलंकित नजर आ रही है। क्या इस हालात को देख कर भी, इन विपक्षी दलों को लोकतंत्र को लेकर कोई समस्या नजर नहीं आ रही है।

झूठे वादों के बदले बच्चों को 500–500 रुपये में बेच रहे है तस्करों को माता-पिता

जयपुर। देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर बिहार में माता–पिता अपने बच्चों को झूठे वादों व अच्छी पढ़ाई व कमाई का सपना दिखाने वाले तस्करों को 500 रुपये में बेच रहे हैं। इन बच्चों को दयनीय हालत में रहना पड़ता है। चूड़ी इकाइयों को बेचे जाने के बाद, उन्हें दिन में एक बार भोजन दिया जाता है, तो लगातार 18 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। न तो बच्चों के माता–पिता और न ही इन बच्चों को कोई पारिश्रमिक मिलता है, जो उनसे वादा किया जाता है। ये विवरण बचपन बचाओ आंदोलन के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किया, जिसने जून में राजस्थान से लगभग 189 बच्चों को बचाने में मदद की है। एक अधिकारी ने कहा, इन दिनों तस्करों ने चलन बदल दिया है। अब वे ट्रेनों के बजाय बसों में बच्चों की तस्करी कर रहे हैं, इसलिए बच्चों का पता लगाना और उन्हें छुड़ाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। .इन बच्चों की शिक्षा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, विभिन्न जिलों में बाल कल्याण समिति के निर्देश पर बच्चों को बाल देखभाल संस्थानों में भेज दिया गया है और अब शिक्षा कहां और कैसे हो सकती है, इस पर बाल कल्याण समिति निर्णय लेगी।इस बीच, बचपन बचाओ आंदोलन के एक अधिकारी, जिन्होंने इन बच्चों को बचाने में मदद की, ने कहा, बाल मजदूरी कर रहे 8 से 17 साल की उम्र के 189 बच्चों को राजस्थान से बचाया गया है, इनमें से 72 जयपुर के हैं। इनमें से अधिकतर बच्चे चूड़ी बनाने वाली इकाइयों में काम कर रहे थे। पांच वर्षों में राजस्थान से 2,295 बच्चों को बचाया गया है, इनमें से 1,269 बच्चों को जयपुर से बचाया गया है। उन्होंने कहा, बचाए गए अधिकतम बच्चे बिहार से हैं और कुछ राजस्थान से भी हैं। वे चूड़ी बनाने, ऑटोमोबाइल गैरेज, ढाबों, सिलाई इकाइयों में लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर तस्कर बिहार से आते हैं और कोविड के बाद से उन्होंने अपने तौर–तरीकों में बदलाव किया है। पहले ट्रेनें तस्करी का सबसे आम तरीका हुआ करती थीं, अब ये तस्कर बसों में स्थानांतरित हो गए हैं। उन्होंने कहा, वे इन बच्चों की तस्करी के लिए स्लीपर कोच बसें बुक करते हैं। इस बीच, बचपन बचाओ आंदोलन के निदेशक मनीष शर्मा ने कहा, जून कार्रवाई का महीना है, जब हमारी पूरी टीम देश के कोने–कोने में बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराने के लिए लगातार काम कर रही है।

पश्चिम रेलवे में परिचालन बिपोरजोय चक्रवात के कारण बुरी तरह से प्रभावित

मुंबई ।चक्रवात बिपोरजोय के कारण गुजरात से गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यहां बताया कि पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) में गुजरात सेक्टर पर लगभग 180 ट्रेनों को या तो रद्द किया गया या उनका आंशिक परिचालन किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रवक्ता सुमित ठाकुर ने बताया कि आज दो और ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, एक को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया जबकि दो ट्रेनें शॉर्ट ऑरिजिनेट हुईं। इसके साथ, चक्रवात के कारण यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेन संचालन के लिए एहतियाती उपाय के रूप में कुल 100 ट्रेनें रद्द हुई हैं, 40 को शॉर्ट–टर्मिनेट किया गया और अन्य 40 को शॉर्ट–ऑरिजिनेट किया गया। ठाकुर ने कहा कि कई अन्य सुरक्षात्मक और एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। यात्रियों को नियमों के अनुसार रिफंड दिया जाएगा। शुक्रवार 16 जून को पोरबंदर–वेरावल एक्सप्रेस और इसकी वापसी सेवाएं (19207–19208) रद्द हैं।

कांग्रेस ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना कहा-केंद्र सरकार द्वारा नफरत की राजनीति का एक उदाहरण है

बेंगलुरू। मुफ्त वितरण योजना के लिए चावल मुहैया कराने से कथित तौर पर इनकार करने पर केंद्र के साथ गतिरोध के बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार को इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), जिसने पहले चावल की आपूर्ति का वादा किया था, ने अब इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, यह केंद्र सरकार द्वारा नफरत की राजनीति का एक उदाहरण है।

भाजपा ने गरीबों का भोजन छीन लिया है। भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो गरीब जनता के साथ विश्वासघात करती है। उन्होंने कहा, एफसीआई ने 2.28 लाख मीट्रिक टन चावल देने का वादा किया था। वे अपनी बात से मुकर गए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को गरीब लोगों द्वारा वोट दिया गया था और भाजपा उनके प्रति नफरत को बढ़ावा देना चाहती है। हमें केंद्र सरकार द्वारा धमकी दी जा रही है और हम इसका मुकाबला करेंगे। विरोध से केंद्र सरकार और लोगों का ध्यान इस मुद्दे की ओर जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया है।

बहस इस बात पर है कि क्या पार्टी इन वादों को पूरा कर पाएगी। उन्होंने कहा, हमने पहली कैबिनेट बैठक में सभी योजनाओं पर सैद्धांतिक सहमति देकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों के नयी दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें 21 जून को राष्ट्रीय राजधानी बुलाया था। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने भी उन्हें आमंत्रित किया था। भाजपा सांसदों को कांग्रेस सरकार के साथ सहयोग करने दें और राज्य को चावल प्राप्त करने में मदद करें। हम इस मामले पर उनका सहयोग मांगेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सी. टी. रवि ने इस आरोप को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से एफसीआई का प्रतिबद्धता पत्र दिखाने को कहा था।रवि ने कहा कि अगर वह झूठा नहीं है, तो उन्हें एफसीआई द्वारा कर्नाटक को चावल देने का वादा करने वाला पत्र दिखाना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस बीपीएल कार्ड धारक के परिवार के प्रत्येक सदस्य को अन्न भाग्य योजना के तहत मुफ्त में 10 किलो चावल देना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि अगर कांग्रेस सरकार के वादे के मुताबिक एक जुलाई तक मुफ्त चावल नहीं दिया गया तो भाजपा राज्य भर में विरोध प्रदर्शन करेगी। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि आवश्यक मात्रा में चावल खरीदने के लिए राज्य सरकार तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकारों से संपर्क कर रही है। उन्होंने कहा कि पहली पसंद केंद्रीय एजेंसियों से खरीदारी करना होगा, क्योंकि लागत कम होगी।

ईडी ने मनी लॉड्रिंग मामले में पंचकूला के पूर्व विशेष न्यायाधीश के भतीजे को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंचकूला की विशेष अदालत में तैनात एक निलंबित न्यायाधीश के भतीजे को पूर्व न्यायिक अधिकारी के खिलाफ कथित रिश्वत मामले से जुड़ी मनी लॉड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विशेष अदालत के पूर्व न्यायाधीश सुधीर परमार के भतीजे अजय परमार को मनी लॉड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में ले लिया गया, जब केंद्रीय एजेंसी ने उनके परिसरों पर छापेमारी की। एजेंसी द्वारा इस मामले में 14 जून को गुरुग्राम स्थित रियल्टी समूह एम3एम के दो निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों–बसंत बंसल और पंकज बंसल को गिरफ्तार किए जाने के ठीक एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। एजेंसी ने जारी एक बयान में कहा कि बसंत बंसल और पंकज बंसल को पंचकूला में एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। मनी–लॉन्ड्रिंग का मामला जिसमें गिरफ्तारी की गई है, वह ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों के पूर्व विशेष न्यायाधीश सुधीर परमार के खिलाफ अप्रैल में दर्ज हरियाणा पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्राथमिकी से उपजा है। पंचकुला में, उनके भतीजे अजय परमार और एक तीसरे ड3ड समूह के निदेशक रूप कुमार बंसल और अन्य। प्राथमिकी के अनुसार, ईडी ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि परमार ईडी के आपराधिक मामलों में आरोपी रूप कुमार बंसल, उनके भाई बसंत बंसल और रियल एस्टेट फर्म आईआरईओ के मालिक ललित गोयल के प्रति पक्षपात दिखा रहे थे। और सीबीआई के अन्य मामले उनके खिलाफ उनकी अदालत में लंबित हैं।ईडी ने एफआईआर में कहा था कि विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, गंभीर कदाचार, आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग और आरोपी व्यक्तियों से उनकी अदालत में लंबित मामलों में अनुचित लाभधरिश्वत की मांग और स्वीकार करने के उदाहरण देखे गए थे परमार को एसीबी का मामला दर्ज होने के बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दिया था। ईडी ने कहा कि उसने (बसंत बंसल और पंकज बंसल की) गिरफ्तारी करने से पहले प्राथमिकी में आरोपों के संबंध में बैंक स्टेटमेंट और मनी ट्रेल आदि जैसे आपत्तिजनक सबूत एकत्र किए हैं। एजेंसी ने 1 जून को आईआरईओ समूह और गोयल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक अन्य मामले में ड3ड प्रमोटरों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ छापे मारे। इसके बाद एजेंसी ने रूप कुमार बंसल को गिरफ्तार कर लिया। बसंत बंसल और पंकज बंसल ने इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से पांच जुलाई तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण हासिल किया था।हालांकि, ईडी ने उन्हें पीएमएलए के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद जज की कथित रिश्वत से जुड़े मनी–लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया।

नेहरू स्मारक विवाद पर भाजपा ने कांग्रेस से पूछा सवाल, क्या कांग्रेस को इंदिरा और राजीव गांधी से दिक्कत है?

नई दिल्ली। नेहरू मेमोरियल का नाम बदलने को लेकर कांग्रेस के तीखे हमलों का सामना कर रही भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा है कि वहां देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल और उनकी उपलब्धियों का जिक्र किया गया है, लेकिन कांग्रेस को अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी से दिक्कत है क्या? भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए पूछा कि कांग्रेस के कितने नेताओं ने जाकर अंदर से नेहरू मेमोरियल को देखा है। पहले इसकी कितनी बुरी हालत थी, यह धूल फांक रहा था। मोदी सरकार ने इसे पूरी तरह व्यवस्थित कर, जवाहर लाल नेहरू से जुड़ी चीजों को भी व्यवस्थित कर, मॉडर्न तरीके से डिजिटल स्वरूप में रखने का कार्य किया। त्रिवेदी ने कहा कि यहां पर सभी पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल और उनकी उपलब्धियों का जिक्र किया गया है। कांग्रेस को लाल बहादुर शास्त्री, नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी से दिक्कत हो सकती है, लेकिन कांग्रेस को अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री, परिवार से जुड़े पूर्व प्रधानमंत्री– इंदिरा गांधी और राजीव गांधी से दिक्कत है क्या? वहां पर तो इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह समेत सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की उपलब्धि का जिक्र किया गया है। भाजपा प्रवक्ता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की अब यह हालत हो गई है कि मोदी का विरोध करते–करते वो अब अपने ही नेताओं का विरोध और अपमान करने में लग गई है। मोदिया बिंद की वजह से कांग्रेस अपने पराए का ही भेद नहीं कर पा रही है। मणिपुर को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि मणिपुर के हालात पर केंद्र सरकार पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ नजर भी रखे हुए हैं और हर सम्भव प्रयास भी कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक के चुनाव प्रचार अभियान को छोड़कर मणिपुर पर बैठक ली थी। विपक्षी दलों को नसीहत देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि विपक्षी दलों को धर्म को राजनीति से जोड़ना और राजनीति को धर्म से जोड़ने के प्रयास से बाज आना चाहिए।यूसीसी को लेकर विधि आयोग द्वारा मांगे गए सुझाव पर मचे राजनीतिक विवाद के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि विधि आयोग ने सुझाव मांगा है जो कि एक सामान्य वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया है और इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

सम्पादकीय

विध्वंसक बिपारजॉय

लगातार नौ दिन से अरब सागर में सक्रिय चक्रवाती तूफान बिपारजॉय आखिरकार गुरुवार को गुजरात के तटवर्ती इलाकों से टकरा गया। शुरुआती खबरों में तेज हवा से हजारों पेड़ों, बिजली व टेलीफोन के खंबों के गिरने व तेज बारिश की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल,तूफान के लैंडफॉल की प्रक्रिया के देर रात तक चलने के कारण वास्तविक नुकसान का आकलन शुक्रवार सुबह होने तक ही हो पायेगा। लेकिन समय रहते सतर्क तैयारी के चलते जनधन की बड़ी हानि को टालना हमारी उपलब्धि ही कही जायेगी। विज्ञान व तकनीकी उन्नति के चलते हमें तूफान की चाल और पहुंचने के समय का पूर्व आकलन करने में मदद मिली है। जिससे व्यापक जनहानि को टाला जा सका है। वर्ष 1999 में ओडिशा में आये भयावह तूफान से हुई तबाही से सबक लेकर हम राहत व बचाव का तंत्र विकसित करने में कामयाब हुए हैं, जिसके चलते लाखों जिंदगियां बचाने में सहायता मिली है। चक्रवाती तूफान की आशंका को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों से करीब एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। इसके अलावा समुद्र तट से सटे इलाकों में मानवीय गतिविधियों पर रोक लगाकर खतरे को टालने का प्रयास किया गया। यूं तो तूफान से ज्यादा प्रभावित होने वाले गुजरात के समुद्री तट से लगे जिले हैं, लेकिन बाद में इस तूफान के राजस्थान की तरफ बढ़ने की आशंका है। बहरहाल, तूफान के लैंडफॉल के बाद तटवर्ती इलाकों में हालात तेजी से बदले हैं और तीर्थस्थली द्वारका,जामनगर, मोर्बी व राजकोट में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया है। जिसके चलते खंबे व पेड़ गिरने से बिजली व दूरसंचार सेवाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। तूफान से संरचनात्मक विकास को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं फसलों की भी व्यापक क्षति की खबरें तटवर्ती इलाकों से हैं। गुजरात के साथ ही मुंबई के हालात भी गंभीर देखे गये और लोगों को तटवर्ती इलाकों में जाने से मना किया गया है। गुजरात व महाराष्ट्र में चक्रवाती तूफान का मुकाबला करने तथा लोगों की मदद के लिये दर्जनों एनडीआरएफ व राज्य की राहत–बचाव टीमें तैनात की गई हैं। तटवर्ती इलाकों में राहत व बचाव के कार्य तेज किये गये हैं और केंद्र व राज्य सरकारें लगातार स्थिति का जायजा ले रही हैं। यह अच्छी बात है कि तूफान की सटीक जानकारी मिलने के बाद हजारों होर्डिंग्स को उतारने, मछली पकड़ने की गतिविधियों पर रोक लगाने व बड़े जहाजों को तट से काफी दूर पहुंचाने के काम में तेजी लाई गई है। बहरहाल, तटवर्ती इलाकों में तेज हवाओं व बारिश से जन–जीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त है। समुद्र में लो टाइड के बावजूद उठती तेज लहरें तूफान के रौद्र की कहानी बता रही हैं। यही वजह है गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, केरल व राजस्थान में हाई अलर्ट जारी किया गया है। कच्छ का इलाका इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित होने की आशंका जतायी जा रही हैं। जाखू पोर्ट के पश्चिम में लैंडफॉल के बाद सरकारों ने राहत–बचाव की निगरानी युद्ध स्तर पर शुरू कर दी है। बहरहाल, बिपारजॉय से निबटने के लिये की गई तैयारियां आश्वस्त करती हैं कि भविष्य में आने वाली किसी भी तरह की चुनौती से मुकाबले के लिये हमारा तंत्र सजग व सतर्क है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनिया में मौसम के मिजाज में आये तीव्र बदलाव के बाद नये चक्रवाती तूफानों की पुनरावृत्ति की प्रबल आशंका है। अमेरिका समेत कई देश लगातार ऐसे भयावह तूफानों की मार झेलने को अभिशप्त हैं। हमें प्रकृति के रौद्र को झेलना ही होगा तथा यह भी विचार करना होगा कि हम जलवायु संकट को दूर करने के लिये कितने सतर्क और ईमानदार हैं। फिर भी हमें भविष्य में आने वाले विनाशकारी तूफानों से मुकाबले के लिये और कारगर तंत्र विकसित करना होगा। ऐसे तूफान हमारे विकास कार्यों व खाद्य उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। हमें अपनी खाद्य शृंखला को बचाये रखने के लिये परंपरागत खेती की तकनीकों का सहारा लेना होगा, जो विषम परिस्थितियों में भी बड़ी आबादी का पेट भरने लायक अन्न बचा सकें।

डेटा सुरक्षा में बड़ी सेंध

जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। सरकार को ताजा घटना का पूरा सच देश को बताना चाहिए।

कोविन एप के जरिए स्टोर हुए लोगों के निजी डेटा की हैकिंग पर सरकार ने जो बयान दिए हैं, उससे कहीं यह भरोसा नहीं बंधता की ऐसी घटना नहीं हुई है। सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सारा डेटा सुरक्षित है और इसमें सेंध लगने की खबरें शरारतपूर्ण हैं। अगर ऐसा है, तो पहले एक मलयालम वेबसाइट और फिर कई अन्य समाचार माध्यमों में नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीन शॉट्स कैसे प्रकाशित हो गए? सूचना तकनीक मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बारे में जो पहला बयान दिया, उससे स्थिति स्पष्ट होने के बजाय कई नए सवाल खड़े हो गए। इसलिए बेहतर होता कि कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्य शर्त बना कर सरकार ने लोगों की जो निजी सूचनाएं ऐप के जरिए इकट्ठी की थीं, अगर हैकरों ने उसकी सुरक्षा तोड़ दी है, तो वह इस बात को स्वीकार करती। साथ ही इसकी व्यापक जांच शुरू करती, ताकि हैकरों तक पहुंचा जा सके। कुछ महीने पहले नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्वर की भी हैकिंग हुई थी। तब हैकरों ने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य डेटा चुरा लिए थे। उसकी जांच कहां पहुंची, यह आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

तूफान से दीए की लड़ाई

15 जून का दिन पिछले डेढ़ महीनों से आंदोलन कर रहे पहलवानों के लिए महत्वपूर्ण था। इसी तारीख को दिल्ली पुलिस को यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करना था। दिल्ली पुलिस ने ऐसा किया भी। राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दिल्ली पुलिस ने फाइल किया, जिसमें आईपीसी की धारा 354 (महिला का शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला), 354–ए (यौन टिप्पणी) और 354 डी (महिला का पीछा करना) जैसी धाराएं आरोपी पर लगाई गई है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में पॉक्सो प्रकरण रद्द करने की सिफारिश वाली रिपोर्ट दाखिल की है जिस पर कोर्ट विचार करेगा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पॉक्सो एक्ट रद्द करने की सिफारिश नाबालिग और उनके पिता के बयान के आधार पर की गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि गहन जांच के बाद नाबालिग के आरोपों पर श्कोई पुख्ता सबूत्य नहीं मिले हैं। यानी एक तरह से दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट दे दी है। इसमें कुछ आश्चर्य भी नहीं है। जब बृजभूषण शरण सिंह पर एफआईआर दर्ज करने में पुलिस जरूरत से अधिक वक्त ले सकती है, तो उसके खिलाफ मजबूत सबूत न होने की बात भी कह सकती है। दिल्ली पुलिस ने तो यौन प्रताड़ना की शिकायत करने वाली महिलाओं से फोटो, वीडियो जैसे साक्ष्य देने की मांग भी की थी। ऐसी गजब की तफ्तीश देखकर हैरानी होती है। मानो महिलाओं, बच्चियों को पहले से पता होता है कि उनके साथ गलत होने वाला है और वे अपने साथ स्टिंग ऑपरेशन का सारा इंतजाम लेकर चलें। सीधे–सीधे हाथ में कैमरा रहेगा तो कोई भी किसी महिला से बदतमीजी क्यों करेगा। बदसलूकी, अनाचार तो अक्सर तभी होता है जब पीड़िता असहाय अवस्था में हो और उसकी मजबूरी का फायदा उठाया जाए। इसलिए छिपे हुए कैमरा से स्टिंग आपरेशन तो दूर की बात, कोई पीड़िता अपने साथ हुई यौन प्रताड़ना को बयां करने की हिम्मत भी मुश्किल से जुटा पाती है। लेकिन दिल्ली पुलिस उनसे ऐसी घटनाओं के साक्ष्य मांग रही है। बहरहाल, राउज एवेन्यू कोर्ट में अब मामले में सुनवाई की अगली तारीख 22 जून तय की गई है और पटियाला हाउस कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई चार जुलाई को होगी। इन सुनवाइयों का क्या नतीजा निकलता है, ये तो बाद में पता चलेगा, फिलहाल आरोपपत्र दाखिल होने के बाद बृजभूषण शरण सिंह के वकील एपी सिंह ने उनका पक्ष रखते हुए कहा है कि वे पूरी तरह से बेकसूर हैं और उन्हें राजनीतिक साजिश में फंसाया जा रहा है। इस बात का यही अर्थ निकलता है कि जिन पहलवानों को कुछ महीनों पहले तक स्टार खिलाड़ी, देश की शान, गौरव बढ़ाने वाली बेटियां कहा जा रहा था, अब उन्हें राजनैतिक विरोधी माना जा रहा है। उनके आरोपों की निष्पक्ष जांच के बिना ही आरोपी की ओर से बेकसूर होने का दावा किया जा रहा है। आरोपी के वकील का कहना है कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। सच सामने आएगा और हम इस केस में बेकसूर साबित होंगे। क्या न्यायपालिका पर अपना भरोसा साबित करने के लिए उन्हें 4 जुलाई तक का इंतजार नहीं करना चाहिए, ताकि फैसला अदालत की ओर से आए, खुद की ओर से नहीं। अगर अपने बेगुनाह होने का इतना यकीन है तो न्यायपालिका में सुनवाई का इंतजार करना चाहिए। इससे पहले ही राजनैतिक साजिश का रोना क्यों रोया जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह भी अपने कई भाषणों में खुद को निर्दोष बताते रहे हैं। पिछले रविवार को उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बड़ी रैली से शक्ति प्रदर्शन किया था और यहां शेरो–शायरी से अपनी बेगुनाही की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी बता दिया था कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव एक बार फिर अपने कैसरगंज निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे। बृजभूषण शरण सिंह ने इस रैली के जरिए बता दिया कि यौन शोषण के गंभीर आरोपों से वे कितने बेखौफ हैं। यह जज्बा किस राजनैतिक व्यवस्था के तहत उन्हें हासिल हुआ, यह सोचने की बात है। क्योंकि राहुल गांधी को तो एक टिप्पणी के कारण अपनी संसद सदस्यता से हटना पड़ा, और यही तय नहीं है कि वे अगला चुनाव लड़ पाएंगे या नहीं। जबकि बृजभूषण शरण सिंह अभी से ऐलान कर रहे हैं कि वे अगला चुनाव कहां से लड़ने वाले हैं। क्या वे इस बात को लेकर निश्चिंत हैं कि अदालत उन्हें पाक साफ करार देगी। यह निश्चिंतता आंदोलनरत पहलवानों को क्यों नसीब नहीं हो रही। क्यों उनके चेहरों पर निराशा और हताशा के भाव दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं। पिछले दिनों आंदोलनकारी पहलवानों से देश के गृहमंत्री अमित शाह ने काफी देर मुलाकात की। इस में क्या बातचीत हुई, इसका कोई ब्यौरा सामने नहीं आया है। ऐसी गोपनीयता की जरूरत क्यों पड़ रही है। अमित शाह से भेंट के बाद पहलवानों ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से भी मुलाकात की थी, जिसमें सरकार ने पहलवानों से 15 जून तक बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच पूरी करने का समय मांगा था। तो क्या अब सरकार बता सकती है कि क्या उसने जांच पूरी कर ली और उस जांच में क्या हासिल हुआ है?पहलवान साक्षी मलिक ने इस शनिवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा था कि जब तक यह मामला पूरी तरह से नहीं सुलझ जाता, वे एशियाई खेलों में भाग नहीं लेंगी। जबकि बृजभूषण शरण सिंह को पता है कि वो अगला चुनाव कहां से लड़ रहे हैं और खिलाड़ियों को पता ही नहीं कि वे अगला टूर्नामेंट खेल पाएंगे या नहीं। यह स्थिति देश में टूटते भरोसे की गवाह है। वैसे इस समूचे प्रकरण पर तूफान और दीया फिल्म में भरत व्यास का लिखा गीत याद आता है– निर्बल से लड़ाई बलवान की, यह कहानी है दीये की और तूफान की।

एशिया में नाटो के शक्ति संतुलन की तैयारी

रूस में यूक्रेन पर आक्रमण कर के अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के नाक में दम कर के रखा हैस रूस का कहना है कि यदि यूक्रेन में नाटो देश अपनी सेना का लश्कर उतारेगा तो नाटो देश को भुगतना पड़ेगास इसी श्रश्रंखला में चीन ने प्रशांत क्षेत्र में अपने कई युद्धपोत उतारकर नाटो देशों में खलबली मचा रखी है। अमेरिका की चीन से खाटी दुश्मनी जगजाहिर है अब चीन की ज्यादती ऊपर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका तथा नाटो देश बहुत गहरी चिंता में पड़ गए हैं। यह भी तय है एशिया में चीन की टक्कर में अब भारत एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है और भारत की सामरिक शक्ति का सहयोग लेने के लिए नाटो देश और अमेरिका भारत को हर तरह से घेरने की तैयारी में है। एशिया में शक्ति संतुलन बनाने की पूरी योजना तैयार कर ली है और इसी कार्यक्रम में भारत को नाटक प्लस में शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नाटो में कुल 31 देश शामिल है और नाटो प्लस इसके एक एक्सटेंशन की तरह ही है आपको बता दें की नाटो प्लस में शामिल पांच देश वर्तमान में है जिनमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजराइल, जापान ,दक्षिण कोरिया शामिल है और यह देश अपने–अपने हितों के कारण नाटो प्लस तथा अमेरिका से जुड़े हुए हैं। जाहिर है कि इसमें एक भी अटलांटिक देश शामिल नहीं हैस नाटो प्लस में सम्मिलित देशों को सामूहिक सुरक्षा के दायरे में रखा गया है सुरक्षा कवच के तहत यह सामूहिक अवधारणा है कि इन देशों पर यदि कोई दूसरा देश आक्रमण करता है तो यह माना जाएगा की वह इन सदस्य देशों पर हमला कर रहा है और उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी नाटो देशों की होगी पर नाटो प्लस के देशों को सुरक्षा कवच के दायरे से बाहर रखा गया है। इन देशों को सामरिक सूचनाएं और सामरिक सहयोग प्रदान नाटो देश करता रहेगा सदूसरी तरफ नाटो देश और अमेरिका हमेशा युद्ध के समय सदस्य देशों को यूक्रेन की तरह धोखा देने में माहिर होने के लिए जगजाहिर हो चुके हैं ऐसे में भारत को नाटो प्लस में शामिल होने के लिए कई बार विचार करना पड़ेगास वैसे नाटो प्लस में शामिल होने के लिए अभी केवल अमेरिकी सांसदों का प्रस्ताव ही पारित हुआ है और अमेरिकी सरकार का पक्का प्रस्ताव भारत को नहीं मिला हैस पिछले 5 वर्षों से भारत नई शक्ति के रूप में तेजी से शक्तिशाली हुआ है और अमेरिका तथा यूरोपीय देश भारत को एशिया की चीन के बाद दूसरी बड़ी शक्ति मान कर उसे अपनी तरफ शामिल करने के लिए काफी हद तक इच्छुक हैंस भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैस प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा में भविष्य में नाटो प्लस पर भी चर्चा हो सकती हैस भारत के संबंध अमेरिका से पिछले एक दशक से थोड़े मधुर हुए हैं पर अमेरिका का जैसा भारत के साथ इतिहास रहा है उस पर आंख मूंदकर विश्वास किया जाना बहुत मुश्किल ही समझा जाएगास अमेरिका पर ज्यादा भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि वह अपने मित्र राष्ट्रों पर एन वक्त में धोखा देने में माहिर है जिसके ताजा उदाहरण अफगानिस्तान और यूक्रेन की तरह देखा जा सकता हैस अफगानिस्तान अमेरिका के धोखे के कारण तालिबानी आतंकवादियों के हाथ में चला गया और यूक्रेन पूरी तबाही के कगार पर बैठा हैस उल्लेखनीय है कि यूरोपीय देश भारत को इनके खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना भी बना सकता है।

भारत की विदेश नीति हमेशा स्वतंत्र चलने की रही है ऐसे में यदि किसी गठबंधन के तहत वह अमेरिका या यूरोपीय देशों के साथ सामरिक समझौता करता है तो वह भारत की नीति के विरुद्ध होगास वैश्विक परिवेश में शीत युद्ध की स्थिति बन चुकी है और भारत को अपनी विदेश नीति की स्वायत्तता पर हटके रहकर निरपेक्ष ही रहना चाहिए क्योंकि नाटो प्लस के देश ऑस्ट्रेलिया ,इजरायल, साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और जापान विभिन्न तरीकों से अमेरिका तथा नाटो देश से अपने हित के लिए जुड़े हुए हैंस नाटो प्लस में शामिल होने से निश्चित तौर पर चीन भारत से नाराज हो सकता है इसके अलावा अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की गहरी निकटता से भारत का परंपरागत मित्र रूस जिसने भारत के युद्ध काल में हमेशा मदद की है बुरा मान सकता है इन परिस्थितियों को देखते हुए भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर अडिग रहकर एक संतुलन बनाकर यूरोपीय देशों से सुरक्षित मित्रता एवं सुरक्षित दूरी रखकर चलना होगा क्योंकि भारत वसुधैव कुटुंबकम की नीति पर चलता आया है जबकि नाटो देश एक मजबूत सैन्य संगठन की तरह स्थापित है और ऐसे में किसी सैन्य संगठन में शामिल होना भारत की नीतियों के विरुद्ध होगा और भविष्य में नुकसान भी हो सकता हैस स्वतंत्रता के बाद से ही भारत की स्वतंत्र विदेश नीति ही विकास का मूल मंत्र रही है वर्तमान में भारत के संबंध अमेरिका, यूरोपीय देश, रूस, यूक्रेन तथा खाड़ी देशों से अच्छे बने हुए हैं अब किसी ग्रुप विशेष से संबंध रखने पर भारत की स्थिति डांवाडोल हो सकती है।

नाटो प्लस में शामिल किए जाने का प्रस्ताव केवल चीन को एशिया में चुनौती देने के लिए ही दिया गया है और निश्चित तौर पर भारत इस तरह किसी भी सामरिक शोषण के लिए तैयार नहीं होगास भारत की वर्तमान आर्थिक और सामरिक स्थिति लगातार अनथक मेहनत और प्रयासों से प्राप्त हुई है और इस में गति लाने के लिए भारत को कूटनीतिक विचार मंथन करके अमेरिका तथा नाटो देशों से एक सुरक्षित दूरी तथा मित्रता रखनी होगी। –**संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– निकटस्थ सम्बन्धों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति के आसार हैं। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीवन सुखमय होगा।

बृषभ :– अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। आकांक्षाओं की पूर्ति के आसार बनेंगे।

मिथुन :– संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीतिज्ञों के लिए ग्रहों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क :– बीती हुई बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर बनेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा।

सिंह :– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भावावेष में किये गये कार्य से कष्ट होने की संभावना। संभल कर कार्य करें।

कन्या :– किसी नए कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केन्द्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा।

तुला :– महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में अत्यधिक व्यय के योग हैं। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।

वृश्चिक :– परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव्र। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं।

धनु :– मन सुन्दर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नए सम्बन्ध के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। अनावश्यक सपनों के झांसे में न आएं।

मकर :– विभागीय परिवर्तन से थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लाएं। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागश्त होंगी। सफलता के आसार हैं।

कुंभ :– राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए अनुकूल समय। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन–सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

मीन :– भावनात्मक समस्याओं पर सम्बन्धों में खुल कर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। महत्वपूर्ण कायरे को कल पर न टालें। प्रियजनों का सन्निध्य प्राप्त होगा।

फिर मॉब लिंचिंग

जिस तरह से लोकतंत्र में भीड़तंत्र ने घुसपैठ कर ली है, उसका नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। लोकतंत्र में भीड़तंत्र के अतिक्रमण को अब मॉब लिंचिंग का नाम दे दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों से यह शब्द काफी प्रचलित हो गया। मॉब लिंचिंग को एक गुप्त एजेंडे के तहत धर्म विशेष से जोड़ कर समाज को बांटे जाने की कोशिशें भी हुई हैं। लेकिन कुछ लोगों की भीड़ द्वारा पीट–पीट कर हत्याएं करने की घटनाएं कुछ–कुछ अंतराल के बाद सामने आ जाती हैं। तबरेज, अंसारी, पहलू खान और अखलाक कुछ ऐसे नाम हैं, जो बार–बार जहन में उभरते हैं। इन नामों की सूची में अब महाराष्ट्र के 23 वर्षीय लुकमान अंसारी का नाम भी जुड़ गया है। घटना के मुताबिक लुकमान अंसारी अपने दो सहयोगियों के साथ टैम्पों में मवेशियों को लेकर जा रहा था तो कथित तौर पर 'गौरक्षकों' ने उन्हें रोक कर मारपीट करनी शुरू कर दी। लुकमान के दो साथी तो भाग गए लेकिन वह गौरक्षकों के हत्थे चढ़ गया। जिन्होंने पीट–पीट कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपी दक्षिण पंथी संगठन बजरंग दल के कार्यकर्ता बताए जाते हैं।

जब अमेरिका में नस्ली भेदभाव बहुत ज्यादा था और अफ्रीकी–अमेरीकियों की लिंचिंग आम थी जो एक

घश्णाजनित अपराध था तथा श्वेतों और अश्वेतों के बीच एक गहरी खाई को रेखांकित करता था। अब ऐसी घटनाएं भारत में होना आम बात है। खून के प्यासे लोगों द्वारा निर्दोषघ्नागरिकों को अपना निशाना बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिस तरह से ऐसी हत्याओं से एक समुदाय में दूसरे समुदाय के प्रति भय का भाव भरा जा रहा है, वह भी कोई कम खतरनाक नहीं है। वर्ष 2014 से मॉब लिंचिंग की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इन घटनाओं की सार्वजनिक रूप से निंदा की गई थी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई थी। लेकिन धर्म और संस्कृति के स्वयंभू रक्षक आज भी ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। भीड़ का अपना मनोविज्ञान होता है। विवेक जब शून्य हो जाता है तब राह चलता व्यक्ति भी भीड़तंत्र का हिस्सा बन जाता है और ऐसी विवेक शून्य भीड़ ही निर्मम घटनाएं करती है। बुद्धिजीवी, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता इसमें साम्प्रदायिक ऐंगल तलाशने लगते हैं, लेकिन धर्म के तथाकथित ठेकेदार मौन धारण कर लेते हैं। दुखद पहलू यह है कि राजनीतिक और सामाजिक संगठन इन घटनाओं को अपनी–अपनी सुविधाओं के हिसाब से कम या ज्यादा करके उठाते हैं। ऐसे में उनका विरोध केवल राजनीतिक दिखाई देता है। देश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं में वशद्धि की पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी घटनाओं को रोकने और दोषियों को सजा ध्दिलवाने के लिए एक तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को यह याद दिलाया कि हिंसा को रोकना उसका कर्त्तव्य है। विविधता में एकता ही भारत की पहचान है और भीड़ द्वारा कानून को अपने हाथ में लेना विविधता में एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। किसी भी संवैधानिक प्रजातंत्र में स्वतंत्रता और जीवन का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। राज्य की यह जिम्मेदारी है कि वह सभी नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करें फिर चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, नस्ल या वर्ग के हों। राज्य का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह धर्मनिरपेक्ष, बहुवादी और बहुसांस्कृतिक सामाजिक व्यवस्था को प्रोत्साहित करे ताकि विचारों और आस्थाओं की स्वतंत्रता बरकरार रह सके और परस्पर विरोधी परिप्रेक्ष्यों का सह–अस्तित्व बना रहेश ।मॉब लिंचिंग और अन्य अपराधों के बीच विभेद करते हुए न्यायालय ने कहा कि लिंचिंग की घटनाओं के पीछे के उद्देश्यों और उसके परिणामों के संबंध में 2 बातें महत्वपूर्ण हैं। पहली, यह कि मॉब लिंचिंग न्याय करने के अधिकार का भीड़ को सौंप देने जैसा है और दूसरी, इससे नागरिकों को उन अधिकारों का उपभोग करने से वंचित किया जा रहा है, जो संविधान उन्हें प्रदान करता है। उच्चतम न्यायालय का निर्णय अत्यंत प्रासंगिक और स्वागतयोग्य है। परंतु वह इस विषय पर कुछ नहीं कहता कि मॉब लिंचिंग की घटनाएं आखिर हो क्यों रही हैं? निर्णय में बहुवाद और प्रजातंत्र जैसे उच्च आदर्शों की चर्चा है और उसमें यह भी कहा गया है कि हर जाति, वर्ग और धर्म के नागरिक के मूल अधिकारों की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। मॉब लिंचिंग मामले में तीन साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। अगर भीड़ द्वारा किसी की हत्या कर दी जाती है तो धारा 302 के तहत मुकद्मा दर्ज किया जाता है और साथ ही धारा 34 या 149 लगाने का प्रावधान है। इसके बाद जितने लोग भी मॉब लिंचिंग में शामिल रहे होंगे उन सबको हत्या का दोषी ठहराए जाने का भी प्रावधान है। अगर भीड़ सरेराह खुद लोगों को दंडित करने लगे और हत्याएं करने लगे तो फिर कानून का राज कहां रहेगा। लोकतंत्र में समाज को बर्बर नहीं बनने दिया जा सकता। आखिर धर्म और संस्कृति के नाम पर हत्याओं की अनुमति कैसे दी जा सकती है। भारत का इतिहास साम्प्रदायिक सद्भाव और भाईचारे का रहा है। मॉब लिंचिंग की घटनाओं से अल्पसंख्यकों में खौफ उत्पन्न होता है और सामाजिक सौहार्द को गहरी चोट पहुंचती है। इससे लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाएं भी कमजोर हो रही हैं। नफरत की राजनीति करने वाले लोगों को अलग–थलग किया जाना चाहिए। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था की नहीं है, बल्कि यह धर्म और संस्कृति को राजनीतिक हथियार बनाने की है।

–आदित्य नारायण

मध्य प्रदेश में कांग्रेस के सभी दाव

कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में कर्नाटक की तर्ज पर गारंटियां देनी शुरू की है। सरकार बनने पर खजाना खोलने का ऐलान किया है। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी हालांकि कर्नाटक में इसकी घोषणा नहीं हुई थी। मुफ्त की बिजली, महिलाओं को नकदी, किसानों की कर्जमाफी, पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलिंडर आदि देने की घोषणा हो गई है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने जबलपुर में कांग्रेस के चुनाव अभियान का आगाज करते हुए कहा कि ये कांग्रेस का वादा है और कांग्रेस अपना वादा लागू करती है। उन्होंने राज्य के लोगों को अगले चार पांच महीने कांग्रेस की दूसरे राज्यों की सरकारों पर नजर रखने को भी कहा। इस आधार पर कह सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश में कर्नाटक मॉडल पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन मुफ्त की घोषणाओं के अलावा मध्य प्रदेश का चुनाव कर्नाटक से पूरी तरह से अलग मॉडल पर लड़ा जा रहा है। दोनों चुनावों का सबसे बुनियादी फर्क यह है कि कर्नाटक में कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर लड़ी थी, जबकि मध्य प्रदेश में हिंदुत्व के मुद्दे पर लड़ रही है। कर्नाटक में कांग्रेस पूरी तरह से भाजपा का कंट्रास्ट दिख रही थी, जबकि मध्य प्रदेश में वह भाजपा की फोटोकॉपी बन रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में खुल कर अपने को मुसलमानों के साथ दिखाया था और कहा था कि सरकार बनने पर वह मुसलमानों का चार फीसदी आरक्षण बहाल करेगी। इतना ही नहीं बजरंग दल पर पाबंदी लगाने का वादा भी किया था। इसके उलट मध्य प्रदेश बजरंग सेना कांग्रेस का साथ दे रही है। पिछले दिनों बजरंग सेना के नेता कमलनाथ से मिले और उनको हनुमानजी की गदा भेंट की। कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच से जय बजरंग बली के नारे लगा रहे थे और मध्य प्रदेश में कमलनाथ बजरंग बली के नारे लगा रहे हैं। जबलपुर में प्रियंका गांधी की सभा के लिए जो पंडाल बनाया गया था, उसके ऊपर एक विशाल गदा स्थापित की गई थी।

प्रियंका ने दर्जनों पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा की पूजा अर्चना की और उसके बाद जनसभा के लिए गईं। दोनों राज्यों का एक फर्क यह भी है कि कर्नाटक में कांग्रेस अघोषित रूप से सिद्धरमैया के चेहरे पर लड़ रही थी, जो कि घोषित रूप से नास्तिक हैं। अपने पूरे चुनाव प्रचार में वे किसी मंदिर या मस्जिद में नहीं गए। इसके उलट मध्य प्रदेश में कांग्रेस कमलनाथ के चेहरे पर लड़ रही है, जो चुनाव से पहले मंदिर मंदिर घूम रहे हैं और अपने को शिवराज सिंह चौहान से ज्यादा आस्थावान हिंदू साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे मध्य प्रदेश में कांग्रेस जो कर रही है वह कोई नई चीज नहीं है। 2002 के गुजरात दंगों और वहां के विधानसभा चुनाव के एक साल बाद जब मध्य प्रदेश का विधानसभा चुनाव हुआ था तब भी कई नेता नरम हिंदुत्व के रास्ते चल रहे थे। तब से लेकर आज तक कांग्रेस वही राजनीति करती और हारती आ रही है। 15 साल के बाद 2018 में वह जरूर जीती लेकिन भाजपा से उसको सिर्फ नौ सीटें ज्यादा मिली थीं और यही कारण था कि डेढ़ साल से कम समय में ही कांग्रेस ने सत्ता गंवा दी थी।

देवगांव अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे सपा विधायक अवधेश प्रसाद

पूर्व मंत्री व सपा विधायक ने देवगांव अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मिल्कीपुर विधायक अवधेश प्रसाद ने विधानसभा क्षेत्र के देवगांव स्थित 50 शैय्या अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।, निरीक्षण के क्रम में अस्पताल की व्यवस्थाओं से रूबरू हुए। नगर पंचायत कुमारगंज के चेयरमैन कुमारगंज "छोटू" के साथ अस्पताल परिसर पहुंचे विधायक अवधेश प्रसाद अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था देख बिफर पड़े। अस्पताल में पानी की अच्छी व्यवस्था नहीं होने, चिकित्सकों के अस्पताल पर नियमित रूप से न उपलब्ध रहने, प्रसव के लिए उचित उपकरण, दवा व महिला चिकित्सकों का अभाव सहित अन्य कमियों को गंभीरता लेते हुए इस ओर उचित कदम उठाने की बात भी कही। उन्होंने इमरजेंसी, ओपीडी, जनरल वार्ड औषधि वितरण कक्ष सहित अस्पताल में मौजूद अन्य उपकरणों के बारे में जानकारियां लेते हुए अस्पताल परिसर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अस्पताल के अधीक्षक डॉ अमित कुमार ने विधायक अवधेश प्रसाद से अस्पताल के भीतर तीमारदारों के बैठने के लिए रैन बसेरा बनवाने तथा दो इंडिया टू मार्का हैंडपंप लगवाने की बात कही। जिस पर विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि बहुत जल्द अस्पताल के भीतर रैन बसेरा तो बन जाएगाघ् लेकिन इंडिया मार्क 2 का हैंड पंप लगवाना संभव नहीं है। क्योंकि हैंडपंप लगाने पर सरकार ने रोक लगा दी है। पूरे प्रदेश में अब जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ जल घर–घर सरकार पहुंचा रही है। जल जीवन मिशन योजना के तहत ही अस्पताल में पानी पहुंचना संभव है। विधायक ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पहले सांसद विधायक निधि से इंडिया मार्का 2 हैंडपंप लग जाते थे और लोगों को आसानी से स्वच्छ जल मिल जा रहा था। लेकिन सरकार ने कानून बनाकर इंडिया टू मार्का हैंडपंप लगवाने पर रोक लगवा दी है। 10 साल तो लग जाएगा जल जीवन मिशन के पाइप लाइन बिछाने में इस उमस भरी गर्मी में लोग अपनी प्यास कैसे भुझाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में हुए भ्रष्टाचार एवं अव्यवस्थाओं को लेकर मैं स्वास्थ्य मंत्री से मिलूंगा और अस्पताल में जो कमियां हैं उसको ठीक करवाने के लिए प्रयासरत रहूंगा। जब मेरी सरकार थी तब मैंने इस 50 बेड अस्पताल का शिलान्यास किया था। आज अस्पताल से मेरे शिलान्यास का पत्थर भी गायब करा दिया गया है।

एसडीएम के खिलाफ लामबंद हुए वकील, प्रदर्शन कर की हड़ताल

रूदौली–अयोध्या। एसडीएम रुदौली और बार एसोसिएशन के महामंत्री के बीच गुरुवार को हुए विवाद को लेकर शुक्रवार को वकील भड़क उठे। आक्रोशित वकीलों ने कलमबंद हड़ताल का ऐलान करते हुए एसडीएम के विरुद्ध प्रदर्शन किया। इसे लेकर शुक्रवार को पूरे दिन तहसील का पारा गर्म रहा। बताया जाता है गुरुवार शाम उप जिलाधिकारी अंशुमान सिंह और बार एसोसिएशन के महामंत्री संतोष पांडे के बीच दूरभाष पर कहासुनी हो गई। शुक्रवार को सुबह 10 बजे अधिवक्ताओं के पहुंचने के बाद महामंत्री ने कार्यकारिणी की बैठक में उपजिलाधिकारी से हुई वार्ता और व्यवहार की जानकारी दी। आम सदन की बैठक में महामंत्री संतोष पांडेय ने बताया एसडीएम ने देर शाम अधिवक्ताओं के देर से घर जाने की बात कही। बात ही बात में उपजिलाधिकारी नाराज हुए और आपा खो दिया। कहा कि हमारा जो भी करना चाहो कर सकते हो। तुमको किसने महामंत्री बना दिया। आम सदन की बैठक में सर्वसम्मति से एसडीएम का स्थानांतरण होने तक कलम बन्द हड़ताल का निर्णय लिया गया।

प्रदेश में में 190 टीएचआर उत्पादन ईकाईयां की गयीं स्थापित – केशव प्रसाद मौर्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न गतिविधियों व क्रियाकलापों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा सार्थक व गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी निखर कर आ रहे हैं। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य हो रहे हैं। इसी कड़ी में टी एचआर प्लान्टो की स्थापना व उन्हें क्रियाशील करने का कार्य पूरी गतिशीलता के साथ किया जा रहा है।टी. एच. आर. परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में कुपोषण स्तर को कम करना है, साथ ही ग्रामीण महिलाओं सशक्त व स्वावलंबी बनाना है।आंगनवाड़ी केन्द्रों के लाभार्थियों को पूरक खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए टी एच आर वरदान साबित हो रहे हैं।सरकार कुपोषण दूर करने एवं महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यू.पी.एस.आर.एल.एम.) द्वारा प्रोत्साहित स्वयं सहायता समूह (एस. एच.जी.) की महिलाओं के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों के लाभार्थियों को पूरक खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। यू. पी. एस. आर. एल. एम. के समूहों की महिलाओं के माध्यम से प्रथम चरण में 43 जनपदों में 204 पुष्टाहार ईकाईयां उत्पादन ईकाईयां (टी.एच.आर. उत्पादन ईकाईयां) स्थापित की जा रही है। प्रत्येक टी. एच.आर. उत्पादन ईकाई में 20 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं दो शिफ्टों में काम करती हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग अंतर्गत संचालित आई.सी.डी.एस. योजना में आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत लाभार्थियों जैसे– 06 माह से 03साल तक की उम्र के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा गम्भीर रूप से कुपोशित बच्चों के लिए टी. एच. आर. प्लान्ट से पोषाहार का उत्पादन एवं आपूर्ति किया जा रहा है। टी. एच. आर. परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में कुपोषण स्तर को कम करना है, इसके लिए समूदाय की सहभागिता से पारदर्शी एवं गुणवत्ता, पोषाहार का उत्पादन एवं आपूर्ति के माध्यम से ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के लिये रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

संक्षिप्त खबरे

गांव की सार्वजनिक संपत्ति से अतिक्रमण हटाने की डीएम से लगाई गई गुहार

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे निहुरी का पुरवा मजरे सातनपुर निवासी छोटेलाल पुत्र मैकू ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर गांव की सार्वजनिक संपत्ति से अतिक्रमण हटाए जाने की गुहार लगाई है। मामले में जिलाधिकारी ने मौके पर किए जा रहे निर्माण को रोकने का आदेश जारी किया है। डीएम के निर्देश पर मौके पर पहुंचे लेखपाल ने हो रहे अवैध निर्माण को रुकवा दिया है। सातनपुर गांव के छोटेलाल ने जिलाधिकारी के जनता दरबार में गुहार लगाते हुए बताया कि उनके गांव में ब्लॉक द्वारा निर्मित 1 सार्वजनिक कुआ है और उसके आसपास सार्वजनिक संपत्ति है।शादी विवाह में गांव के दलित बिरादरी के लोग कुआं पूजन करते हैं। जिस पर श्री केशन पुत्र शिव नारायण यादव जबरन कब्जा कर अवैध निर्माण करा रहा है। पूर्व में भी उसने निर्माण कर कब्जा करने का प्रयास किया था लेकिन लेखपाल की रिपोर्ट पर एसडीएम के द्वारा कार्य निर्माण रुकवा दिया गया था। शुक्रवार को जब श्री केशन ने फिर से निर्माण कार्य प्रारंभ किया तो डीएम से शिकायत हुई जिसके चलते लेखपाल मनमोहन पांडे ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया है। छोटेलाल का कहना है कि श्री केसन आए दिन सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास करता है जब गांव के दलित बिरादरी के लोग एतराज करते हैं तो उन लोगों से आमादा फौजदारी होता है और गाली–गलौज भी करता है।

युवक की मौत पर बिलखते परिजन

मिल्कीपुर–अयोध्या। चौकी क्षेत्र हैरिंग्टनगंज के ग्राम पंचायत उरुवा वैश्य निकट ब्लाक मोड़ निवासी 30 वर्षीय राजबली पुत्र जग प्रसाद यादव ने संदिग्ध परिस्थितियों में बीती रात घर के सामने शहतूत के पेड़ में फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह 4:45 पर राजबली की मां जब सोकर उठी तो उन्होंने देखा कि घर के सामने कोई पेड़ से लटका हुआ है और वो जोर से चिल्लाई परिवार में अफरा–तफरी मच गई घरवालों ने देखा तो जग प्रसाद यादव जोकि पूर्व प्रधान हैं उनका बड़ा पुत्र फांसी के फंदे से लटका हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी हैरिंग्टनगंज रजनीश पाण्डेय व अन्य पुलिस कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल है। बता दें कि मृतक राजबली की शादी लगभग 12वर्ष पूर्व हुई थी। मृतक की पत्नी का नाम गुंजन है और इनके दो पुत्रियों व एक पुत्र सहित तीन बच्चे हैं।

तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर घर में घुसा,मासूम की मौत,पिता घायल

कानपुर। कानपुर में घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव में भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर घर में घुस गया। हादसे में बेटी की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव निवासी कमरुद्दीन ने बताया की उनका बेटा सरताज (28) अपनी बेटी हुमायरा (5) के साथ घर के बाहर चारपाई पर लेटा हुआ था। शुक्रवार भोर पहर कानपुर की ओर से आ रहा तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक पहले नाला से टकराया और रफ्तार तेज होने से वह नाला पर कर चारपाई पर सो रहे सरताज और उसकी बेटी को कुचलते हुए घर में जा घुसा। हादसे में हुमायरा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं सरताज गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सरताज को घाटमपुर सीएचसी लाया गया,जहां से उसे कानपुर के एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

सीतापुर। शुक्रवार सुबह कानों से दिव्यांग एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर हादसे का शिकार हो गया। ओवरब्रिज के नीचे बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार कर रहा एक युवक ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने कुछ घंटे उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि युवक सुबह प्राइवेट नौकरी करने के लिए जा रहा था लेकिन उसे कानों से कम सुनाई देने के चलते वह ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना कोतवाली देहात इलाके की है। यहां बिजवार ओवरब्रिज रेलवे क्रॉसिंग के नीचे एक युवक के ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम मलुही सरैया निवासी शीतला प्रसाद सुबह रोजाना की तरह दुकान पर काम करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बिजवार क्रॉसिंग को पार करने के दौरान ही सीतापुर से लखनऊ जा रही एक ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद तकरीबन 1 घण्टे तक चले उपचार के बाद युवक ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि युवक को काफी सालों से कान में परेशानी थी। जिससे उसे कम सुनाई देता था। इसी के चलते ही आशंका व्यक्त की जा रही है कि ट्रेन की आवाज ना सुन पाने से वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रक ने तीन बाइक सवारों को रौंदा, दो की मौत, एक घायल

सीतापुर। कोतवाली देहात इलाके में बीती रात तीन युवक एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गए। खेत में पानी लगा कर देर रात घर वापस आ रहे तीन युवकों को एक ट्रक ने पीछे से रौंद दिया और मौके से फरार हो गया। इस दर्दनाक हादसे में उपचार के दौरान दो युवकों ने दम तोड़ दिया।

प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के कर रही कार्य – एके शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव से समान रूप से कार्य कर रही है। योगी सरकार में जातिगत भेदभाव, अपना–पराया का भाव नहीं है। बल्कि सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर सभी का सम्मान करते हुए जनता जनार्दन के हित में कार्य करने में विश्वास करती है। केन्द्र की मोदी एवं प्रदेश की योगी सरकार सबका साथ सबका विकास के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है। प्रदेश की ट्रिपल इंजन की सरकार ने नागरिकों को बेहतर सुविधायें मिलेगी। सभी निकायों में युद्धस्तर पर विकास कार्य कराये जाने का प्रयास किया जायेगा। नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा ने आज जलनिगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में कुशीनगर जनपद की नवसृजित नगर पंचायत फाजिलनगर के नवनिर्वाचित कार्यालय भवन का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए मीडिया प्रतिनिधियों से बात कही। इस कार्यालय भवन का निर्माण 158.43 लाख रूपये की लागत से सीएलडीएस कार्यदायी संस्था द्वारा कराया गया। 23 दिसम्बर, 2019 को फाजिलनगर नाम से यह नई नगर पंचायत बनी, जिसमें 15 वार्ड हैं। जिसमें 09 गॉव शामिल किये गये हैं और इस नगर पंचायत की वर्तमान में आबादी लगभग 25 हजार के आसपास है। नगर विकास मंत्री ने कहा कि फाजिलनगर की जनता को जल्द से जल्द नगरीय सुविधायें मिले और उस क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो, इसके लिए कार्यालय भवन का उद्घाटन किया गया है। कोई भी कार्यालय किसी व्यवस्था को संचालित करने का केन्द्र होता है। बेहतर व्यवस्था प्रदान करने के लिए कार्यालय में आधुनिक सुविधाऐं हों, जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने फाजिलनगर नगर पंचायत के चेयरमैन श्री शत्रुमर्दन प्रताप शाही से कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य कराने के लिए इससे संबंधित प्रस्ताव बनाकर शीघ्र ही निदेशालय को भेजा जाए, जिससे कि धनराशि दी जा सके।

पेड़ काटे जाने से नाराज महापौर ने मेट्रो अधिकारियों को जमकर लगाई फटकार

कानपुर। कानपुर में पेड़ काटे जाने से नाराज महापौर प्रमिला पांडेय ने मेट्रो अधिकारियों को तलब कर लिया। शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय में मेट्रो अधिकारियों बुलाकर जमकर फटकार लगाई। सभा कक्ष में लगे पंखे और एसी तक को बंद करा दिया। वहीं पेड़ कटने से लोगों को हो रही दिक्कत पर महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को भी खरी–खोटी सुनाई।

महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया,जूही नहरिया से नौबस्ता तक मेट्रो अधिकारियों ने कई पेड़ काट दिए। पेड़ काटने के बाद लोगों के घर के सामने उसे डाल दिया गया। परेशान लोगों ने मुझसे जब शिकायत की तो उन्होंने मेट्रो अधिकारियों को तलब कर लिया। उन्होंने बैठक के दौरान कहा, जब तक मेट्रो के अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं देंगे तब तक किसी को जाने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने समिति सभागार के पंखें भी बंद करवा दिए। महापौर का गुस्सा इस बात पर था कि जब शासन की मंशा है कि एक पेड़ काटने पर 10 पौधे लगाए जाएंगे तो मेट्रो अधिकारियों ने इसका पालन क्यों नहीं किया।

लालगंज चेयरमैन ने प्रियंका गांधी से की मुलाकात

लालगंज,रायबरेली । लालगंज नगर पंचायत के अध्यक्ष पद का संघर्षपूर्ण चुनाव जीतने के बाद चेयरमैन सरिता गुप्ता अपने पति कांग्रेस के प्रांतीय नेता दीपेंद्र गुप्ता के साथ दिल्ली पहुंची और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती सोनिया गाँधी के आवास (10 जनपथ, नई दिल्ली) पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गाँधी से मुलाकात की। श्रीमती प्रियंका गांधी ने सरिता गुप्ता को चेयरमैन बनने पर बधाई दी ।साथ ही उनके पति दीपेंद्र गुप्ता को भी बधाई देते हुए कहा कि रायबरेली में नगर पालिका रायबरेली, लालगंज नगर पंचायत के लोगों ने कांग्रेश को विजय श्री दिलाई है। उन्होंने नगर पालिका और लालगंज के नागरिकों के लिए कांग्रेस को जिताने के प्रति आभार जताया। श्रीमती प्रियंका गांधी ने चेयरमैन सरिता गुप्ता व उनके पति दीपेंद्र गुप्ता से लोकसभा 2024 के चुनाव की तैयारी को लेकर विचार–विमर्श भी किया। श्रीमती प्रियंका गांधी ने इस मौके पर कहा कि रायबरेली में कांग्रेस की सरकार ने विकास की झड़ी लगा दी थी। जब से मोदी सरकार आई है।रायबरेली में विकास का पहिया रुक गया है। कांग्रेस नेत्री ने रेल कोच कारखाना, रेल पहिया कारखाना ,एनटीपीसी ,एम्स आईटीआई ,नेफ्ट आदि अनेकों संस्थानों को गिनाते हुए कहा कि यह सभी कांग्रेसी सरकार की देन है। 2024 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद रायबरेली का रुका हुआ विकास फिर से चालू होगा। कांग्रेस नेत्री ने लालगंज चेयरमैन से अभी से चुनावी गतिविधियों को चुस्त दुरुस्त करने को कहा है।

मामूली विवाद में दबंगों ने महिला की लाठी–डंडों से की पिटाई, घायल

सीतापुर। सदरपुर थाना क्षेत्र में जामुन के पेड़ पर जामुन तोड़ने के लिए और पेड़ को काटने के लिए मना करने पर आगबबूला दबंगों ने एक महिला को पीट दिया। दबंगों ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की।

महिला ने जब इसकी शिकायत डायल 112 पर की तो दबंगों का गुस्सा और बढ़ गया।

उन्होंने महिला को लाठी–डंडे से पीटा और फरार हो निकले। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट और मिली तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मामला सदरपुर थाना इलाके की है। यहां के ग्राम वसुधरा पुरवा में गांव के ही दबंगों का कहर एक महिला पर टूटा है।

एसपी ने निरीक्षण कर ली परेड की सलामी

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स पीटी, ऑप्टिकल्स ग्राउंड पर सलामी ली। परेड सलामी के बाद एसपी ने पुलिस लाइन स्थित विभिन्न पटलों सहित पुलिसकर्मियों को जाने वाले खाने के मेस का भी निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स,प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन पुलिस बल तथा विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त पुरुष व महिला पुलिसकर्मी व पुलिस अधीक्षक स्क्वॉड सम्मिलित हुए। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित परेड सलामी के दौरान समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा स्वच्छ पीटी ड्रेस में वॉर्मअप करते हुए दौड़ लगाई गई।

उसके बाद पीटी एक्सर्साइज, क्लाइबिंग, मंकी रोप, बैलेंसिंग, जंपिंग आदि विभिन्न क्रियाएं की गई। इस दौरान महिला पुलिस कर्मियों व पुलिस अधीक्षक स्क्वॉड ने भी सभी प्रेक्टिसिज में प्रतिभाग किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी पुलिस कर्मियों को स्वच्छता व शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने व विभिन्न परिस्थितियों में मानसिक व शारीरिक रूप से हमेशा तैयार रहने के दृष्टिगत समय समय पर प्रैक्टिसिज व शारीरिक फिटनेस बनाये रखने के लिए निर्देशित किया गया। एसपी ने परेड सलामी के बाद पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन देखा। साथ ही पुलिस लाइन्स क्वार्टर गार्द, स्टोर आदि का निरीक्षण कर सर्व संबंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए हैं। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि परेड सहित अन्य क्रियाकलापों के जरिये पुलिसकर्मियों को चुस्त दुरुस्त रखने की कवायद की जाती है, इसीलिए समय समय प्रतियोगिताओं का आयोजन कर महिला और पुरूष पुलिसकर्मियों को प्रतिभाग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। उनका कहना है कि चुस्ती ही एक पुलिसकर्मी की पहचान है।

आशनाई के चलते देवर ने अपनी भाभी का किया था मर्डर,आरोपी को भेजा जेल

कानपुर। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में महिला की ईंट से कुचलकर हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके ही देवर ने की थी। पुलिस ने मामले 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए हत्यारोपी देवर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त की गई ईंट को भी बरामद की है। कब्र खोदने का काम करने वाले हत्यारोपी ने पहले कब्र खोदकर शव ठिकाने लगाने का प्रयास किया था, लेकिन कब्रिस्तान में चहल–पहल ज्यादा होने के चलते छोड़कर भाग निकला था। कर्नलगंज पुलिस ने हत्यारोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।आरोपी बोला– भाई के जेल जाने के बाद कई लोगों के संपर्क में थी भाभी एडीसीपी सेंट्रल आरती सिंह ने बताया कि कर्नलगंज बिसाती कब्रिस्तान में रहने वाली सिमरन की सिर कूचकर हत्या कर दी गई थी। सिमरन का पति फैजान चोरी में जेल चला गया था और लव मैरिज के चलते मायके वालों ने भी उसे स्वीकार नहीं किया। इसके चलते वह कर्नलगंज दरगाह में काम करके अपना जीवन यापन कर रही थी। हत्याकांड की जांच के दौरान सामने आया कि बिसाती कब्रिस्तान परिसर में ही रहने वाला सिमरन का देवर रेहान उर्फ चिपड़ा ने हत्याकांड को अंजाम दिया है। पुलिस ने दबिश देकर उसे एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रेहान उर्फ चिपड़ा ने बताया कि आशनाई के चलते उसने भाभी सिमरन की हत्या की है। भाई के जेल में जाने के बाद से कई लोगों के संपर्क में थी। इसी बात को लेकर उसने मर्डर किया है।

कब्र खोदकर शव ठिकाने लगाने की कोशिशकर्नलगंज थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने पहले कब्र खोदकर शव ठिकाने लगाने का प्रयास किया, लेकिन कब्रिस्तान में भीड़ बहुत थी। अकेले शव ले जाना भी कठिन था। इसके चलते उसने अपना इरादा बदल दिया और भाग निकला। हत्याकांड के बाद वह फतेहपुर गया था, लेकिन कानपुर रुपयों के इंतजाम करने के चक्कर में लौटा था। यहां से वह मुंबई भागने की फिराक में था। क्योंकि मुंबई में उसके भाई नौकरी करते हैं। भागने से पहले पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी रेहान को उन्हीं कपड़ो में गिरफ्तार किया,जो उसने हत्या के दौरान पहन रखा था और उसके कपड़ों पर खून के धब्बे मौजूद थे। आरोपी की निशानदेही पर आलाकत्ल व मृतका का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। सिर की हड्डियां टूटी मिलीं सिमरन की मां जमीला बानो ने पुलिस को बताया कि तीन दिन पहले सिमरन ने अपनी मां को कॉल कर बताया था कि उसका देवर अवैध संबंध न बनाने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी के पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगी,इंस्पेक्टर घायल

कानपुर देहात। मानसिक रूप से कमजोर युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दूसरे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी। वहीं, थाने के अपराध निरीक्षक के बाएं हाथ में गोली छूते हुए निकल गई। आरोपी के पास से पुलिस ने तमंचा और कारतूस बरामद किया है। बैरी सवाई चौराहे पर घूमने वाली मानसिक रूप से कमजोर युवती के साथ मंगलवार की रात शराब के नशे में गांव के ही नरेंद्र कश्यप और रामकेश चौरसिया ने दुष्कर्म किया था। मामले में गांव के ही लोगों ने दोनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बुधवार को पुलिस ने आरोपी नरेंद्र कश्यप को गांव के बाहर से गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, फरार रामकेश की तलाश की जा रही थी। गुरुवार की रात पुलिस को खबर मिली कि भेवान औनहा रोड पर आरोपी बाइक से कहीं जा रहा है।

भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों ने देश को खोखला बना दिया– अखिलेश यादव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों ने देश को खोखला बना दिया है। नोटबंदी, जीएसटी, से लेकर कारोबारी जटिलताओं, भ्रष्टाचारी टैक्स तंत्र और सरकारी उत्पीड़न से भारत के करोड़पतियों का देश से मोह भंग हो रहा है। कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार अपने कुछ समर्थकों के लिए ही नीतियां बना रही है और उन्हीं को आगे बढ़ा रही है, जिससे परेशान होकर हर साल हजारों की संख्या में करोड़पति भारत छोड़कर दूसरे देशों में अपना कारोबार शिफ्ट कर रहे हैं। करोड़पतियों के भारत छोड़कर विदेशों में बसने की जो रिपोर्ट आ रही है वह हैरान करने के साथ ही देश को बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान करने वाली है।अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले साल जहां 7500 से अधिक करोड़पतियों ने गलत आर्थिक नीतियों और कारोबारी दुश्वारियों के कारण देश छोड़ दिया था वहीं इस साल अभी तक 6000 करोड़पति भारत छोड़कर विदेश जा चुके हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि दुनिया भर से विदेशी निवेश लाने का दावा करने वाली भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि जब भारत के ही उद्योगपति और व्यवसायी देष छोड़ रहे हैं तो विदेशी निवेशक कहां से और कैसे आएंगे? विदेशी इन्वेस्टमेंट को लेकर बड़े–बड़े दावे करने वाली भाजपा सरकार को अब यूपी के ही इन्वेस्टर ढूंढे नहीं मिल रहे है। यादव ने कहा कि फरवरी में जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में हुई थी, उसमें 33 लाख करोड़ रूपये के निवेश का दावा किया गया था। भाजपा सरकार के पिछले कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में साढ़े चार लाख करोड़ रूपए के निवेश के एमओयू हुए थे पर यह सब दिखावा ही रहा।

रक्तदान शिविर में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। राज्य रक्त संचरण परिषद, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर 14 जून से 13 जुलाई तक आयोजित विश्व रक्तदाता मासिक अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में नियमित रक्तदान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने नामांकन कराया, जिन्होंने रक्त समूह तथा ब्लड प्रेशर की जांच कराई। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रुप से प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पी के स्टालिन, डॉ साधना श्रीवास्तव, सतेंद्र कुमार, संजीव भट्ट, अजय कुमार दुबे, गोपाल कृष्ण सिंह, अमित कुमार सिंह एवम सुश्री कौमुदी शुक्ला रहीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने रक्तदाताओं को प्रदेश शासन और बेली अस्पताल की तरफ से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में स्थानीय तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय रक्तदान केंद्र की तरफ से हेमंत शुक्ला, अचल सिंह, अभिनव कुमार, सुधीर कुमार, विरेन्द्र तथा श्रीमती उपासना आदि ने सक्रिय सहयोग किया। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय के रक्तदान केंद्र की टीम का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मीरा पाल ने किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, डॉ मीरा पाल, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी आदि ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस क्लब में नहाते समय दरोगा की मौत, हार्ट अटैक बना कारण

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाने में तैनात दरोगा राजेश पाठक (55) की बृहस्पतिवार की सुबह स्नान करते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। राजेश ने बुधवार रात तक ड्यूटी की। देर रात अपने साथियों से मुलाकात भी की थी। तब तक सब कुछ सही था। सुबह हार्ट अटैक आने के बाद वे संभल नहीं पाए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दारागंज घाट पर देर शाम अंतिम संस्कार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलरूप से संत कबीर नगर के बखीरा कस्बा के रहने वाले राजेश पाठक (55) पुलिस विभाग में दरोगा थे। प्रयागराज में पिछले चार सालों से तैनात थे। वह कचहरी के पास पुलिस क्लब में रहते थे। पत्नी अमृता और दो बेटे हिमांशु और प्रखर लखनऊ के आशियाना इलाके में रहते हैं। कुछ दिनों पहले तक वह सिविल लाइंस थाने की लोक सेवा आयोग चौकी में बतौर चौकी प्रभारी तैनात थे। इस समय वह थाने से संबद्ध थे। बुधवार की रात वे उन्होंने सामान्य रूप से ड्यूटी की। रात में पुलिस क्लब में उन्होंने रात में करीब 12 बजे साथियों से मुलाकात की।

डीएचओ का वेतन रोक, बीडीओ मऊ को डीएम ने दी प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रयाग दर्पण संवाददाता

चित्रकूट । जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में जिला उद्यान अधिकारी के हाजिर न होने पर माह जून का वेतन रोकने एवं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में समय से धनराशि का भुगतान न करने पर बीडीओ मऊ को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। शुक्रवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए वन, कृषि, विकास, लघु सिंचाई, पंचायती राज आदि विभागों से कहा कि जल शक्ति अभियान के जो कार्य चल रहे हैं, उनका पोर्टल पर फीडिंग करायें। डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह से कहा कि जो रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य हुए हैं, उनको भी संबंधित पोर्टल पर फीड करायें। सिंचाई विभाग से कहा कि बरुआ नाला की खुदाई के कार्य का निरीक्षण कर आख्या दें। शासकीय विद्युत बिल बकाया पर अधिकारियों से कहा कि समय से विद्युत बिल जमा करायें। धनराशि नहीं है तो शासन से मांग की जाए। उपनिदेशक कृषि से कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जो आवेदन मिले हैं, उनका समय से निस्तारण करायें। फसल बीमा में जिन किसानों को लाभ नहीं मिला है, उन्हें लाभान्वित करायें। खरीफ की फसल बीमा कार्यवाही जल्द करायें। निराश्रित गौवंश संरक्षण पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से कहा कि भरण पोषण की लम्बित पत्रावलियों का भुगतान करायें। बड़ी गौशाला निर्माण को शासकीय भूमि जिन गांवों में है, प्रस्ताव मिले हैं उन्हें शासन को भेजें। आयुष्मान कार्ड पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि प्रगति करायें। जिन पंचायत सहायकों, सीएचओ ने अच्छे कार्य किये हैं, उन्हें सम्मानित करें। जिनका कार्य ठीक नहीं है, उनसे जवाब–तलब करें। फैमिली प्लानिंग में प्रगति करायें। ड्रग वेयरहाउस निर्माण का निरीक्षण कर बतायें। सामुदायिक शौचालयों के संचालन में जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि संचालन में लगातार शिकायतें मिल रही हैं। निरीक्षण कर व्यवस्थित करायें। पंचायत सहायकों का समय से मानदेय दें। ऑपरेशन कायाकल्प में प्रगति कर पंचायत भवन व अंत्येष्टि स्थल निर्माण के लक्ष्य पर कार्य करायें। गर्मी को देखते हुए रिबोर लायक हैंडपंप की मरम्मत कराये। किसी भी गांव में पेयजल समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बारिश के पहले निर्माणाधीन पंचायत भवन को पूर्ण करायें।

संक्षिप्त खबरे

मनाया गया विश्व वयोवृद्ध पीड़ित दिवस

प्रयागराज। दरियाबाद कटेहरे में इलाहाबाद जन कल्याण समिति द्वारा विश्व वयोवृद्ध पीड़ित दिवस मनाया गया। जिसमे वयोवृद्ध लोगों को साम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी मोहम्मद हन्जला उर्फ सददाम ने कहा कि भारत मे आज भी लाखों वृद्ध अपनो के सताये हुऐ हैं जो आज भी दर दर भटक रहे है। भीख मांग कर अपना जीवन यापन करते हैं। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद नासिर ने किया। इस अवसर पर मोहन लाल, मोहम्मद उमर, मोहम्मद गौस, राजू, नुसरत आफरीन, को साम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नदीम, मोहम्मद वसीम, बबलू, यूनुस रियाज, रिजवी, अजय यादव, राजकुमार यादव, अजहर खान, नजफ फात्मा शामिल थे।

घर–घर दस्तक देगा एनजीओ प्रकोष्ठः रजनीकांत

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ की वर्चुअल बैठक प्रयाग काशी सहित सभी जिलों की संपन्न हुई। प्रांत के सहसंयोजक रजनीकांत ने कहा कि महा संपर्क अभियान के तहत 9 साल महायोजना के साथ घर–घर दस्तक देंगे। मोदी व योगी सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य स्वयंसेवक व स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से नागरिकों तक योजनाओं को पहुंचाएंगे। योग दिवस पर प्रांत के सभी जिलों में योगाभ्यास आयोजित संस्थाओं के सहयोग से करेंगे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में संस्थाओं से अपेक्षा है प्याऊ लगाकर समाज हितार्थ कार्य करें। ऐसे सभी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा जो समाज मैं प्याऊ लगाएंगे। पशु पक्षी पेड़ पौधों को पानी से सिंचित करेंगे ऐसे समाज के सभी स्वयंसेवकों से अपेक्षा की गई है। इस अवसर पर वरुण गिरी, पार्थ श्रीवास्तव, ओम प्रकाश मिश्र, नवीन शुक्ला, रवि शर्मा, मोहनी झांवर, अर्चना अग्रवाल, दीपमाला राय, प्रवीण श्रीवास्तव, शशि प्रजापति, सतीश राय, संदीप पांडे आदि प्रमुख रूप से रहे।

जानलेवा हमले में ओमप्लाजा के मालिक घायल

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के पुरानी बाजार बलमा समोसा की दुकान के पास चाकूबाजी की घटना में तीन लोग घायल हो गये। चाकूबाजी के साथ तमंचे से भी फायरिंग कर जान से मारने के प्रयास किया गया। घटना की रिपोर्ट कोतवाली कर्वी में गम्भीर धाराओं में पुलिस ने दर्ज कर ली है। चाकूबाजी की घटना अंजाम देने वाले तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चाकूबाजी की घटना गुरुवार को रात साढे दस बजे पुरानी बाजार स्थित बलमा समोसा के घर के पास हुई। बताया गया कि ओम प्लाजा के मालिक देवराज यादव पुत्र स्व ओमप्रकाश यादव पुरानी बाजार में थोपू उर्फ राजेश यादव पुत्र विजय के यहां निमंत्रण में गये थे। उनके साथ चचेरे भाई केशव, अतुल पुत्र स्व इन्द्रपाल व अनुज उर्फ धोनी पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी राजापुर थे। इसी बीच किसी बात को लेकर हुए विवाद में राजेश उर्फ थोपू, अभिषेक पुत्र विजय यादव, विजय पुत्र बाबूलाल, पंकज उर्फ नउवा पुत्र अज्ञात, मैकू निषाद पुत्र अज्ञात, सोनू व अमित पाण्डेय निवासी पाण्डेय कालोनी ने चाकू व तमंचे से हमला बोल दिया। हमले में देवराज समेत उनके भाई घायल हो गये हैं। पुलिस ने तत्काल मामले की रिपोर्ट अपराध संख्या 0371 में धारा 147, 352, 323, 324 व 307 आईपीसी के तहत दर्ज कर ली है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

डांगोली में दो पक्षों में हुआ जमकर पथराव, दो दर्जन घायल

मथुरा। मांट थाना क्षेत्र के गांव डांगोली में चरी काटने को लेकर हुई कहासुनी में दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। जिसमें कई महिलाओं समेत दो दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने दस लोग गिरफ्तार किया है। छह जून को गांव में महिपाल की बेटी की बारात आयी थी। जिसमें गांव के ही बॉबी ने बरातियों से मारपीट कर दी थी, इसके बाद महिपाल के परिवार के लोगों ने बॉबी की जमकर पिटाई कर दी थी। इसके बाद बात आई गई हो गयी। शुक्रवार की सुबह बॉबी का भाई दिनेश व दूसरे पक्ष का महेंद्र खेत से चरी लेने गए थे। यहां दोनों में बारात वाली घटना को लेकर कहा सुनी हो गयी। इसके बाद दोनों अपने अपने घर आये और बढ़ा चढ़ा कर परिजनों को कहा सुनी की बात बताई। दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर आग बबूला हो गए। दोनों पक्षों के लोग अपनी अपनी छतों पर चढ़ गए,और दोनों ओर से ईंट पत्थर फेंके जाने लगे। मारपीट और पथराव में एक पक्ष के कृष्णा, सीमा, सुमन, छोटू, बॉबी, चम्पा, उर्मिला, श्यामवती, सोरेन सिंह, दिनेश, हुक्म सिंह व रोहन सिंह घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के ममता, शीला, सचिन, नरेश, श्रीकमल, अभिषेक, गिर्राज, रामवीर, मुन्नी देवी और राजकुमार घायल हो गए। थाना पुलिस ने विवाद के बाद शीलेन्द्र, बॉबी, टीकम, पप्पू, महेंद्र, सौदान सिंह, सोनू, विजयपाल, फौरन सिंह व राजकुमार को शान्ति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया है।

परिक्रमा मार्ग चौडीकरण में ग्रामीणों ने लगाये भेदभाव के गंभीर आरोप

मथुरा । ब्रज के विकास के लिए नितनई योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। ब्रज विकास तीर्थ परिषद लगातार प्रयास में लगा है। 84 कोसी परिक्रमा के अलावा मथुरा वृंदावन सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के परिक्रमा मार्गों को भी विकसित किया जा रहा है। इस बीच बरसाना के मानपुर गांव के लोगों ने परिक्रमा मार्ग के चौडीकरण में भेदभाव बरते जाने के आरोप लगाये हैं। बरसाना परिक्रमा का निर्माण हो विरोध देखने को मिला है। बरसाना के मानपुर गांव में बरसाना की परिक्रमा निर्माण को लेकर मानपुर गांव के लोग परिक्रमा चौरीकरण के विरोध में बरसाना नगर पंचायत जाकर चेयरमैन प्रतिनिधि पदमफौजी से मिले। लोगों का कहना है कि पुराने समय में यहां से बरसाना परिक्रमा नहीं थी। लेकिन फिर भी बनाई जा रही है। पहले रास्ता जितना था उसी पर परिक्रमा का निर्माण हो रहा था, गांव वालों का कहना है कि अचानक मानपुर में परिक्रमा मार्ग चौडीकरण बिना नोटिस के ही करने के लिए निशान लगा दिये गये।

राजस्व वादों को शीघ्रता से करें निस्तारितः डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को राजस्व से सम्बंधित वादों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि पांच साल से अधिक के लम्बित राजस्व वादों को अभियान चलाकर निस्तारित किया जाये। जिलाधिकारी ने शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं शिकायतों को समय से निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी हिदायत दी है कि यदि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में कमी पायी जायेगी, तो सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने निर्विवादित वरासतों के नामांतरण की कार्रवाई निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने आडिट आपत्तियों को शीर्ष प्राथमिकता पर तथा लम्बित विभागीय कार्यवाहियों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने पट्टा आवंटन की कार्यवाही में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा है। उन्होंने मानवाधिकार मामलों से सम्बंधित लम्बित प्रकरणों को समय से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है।

योगा स्वस्थ और फिट रखने का कारगर कदमः किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योग सप्ताह के दूसरे दिन आजाद पार्क में प्रातः योग शिविर में मॉर्निंग वाकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि योगा शारीरिक और मानसिक रूप से व्यकित को फिट रखने का महत्वपूर्ण और कारगर कदम है। उन्होंने इसे लोगों के बीच लोकप्रिय और जागरूकता पैदा करने में अति सहायक बताया। कहा न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी ने योग की महत्ता को देखा और जाना कि यह तनाव घटाने के साथ इम्यूनिटी क्षमता बढ़ाता है। यह प्राचीन विद्या है और जीवन को निरोगी बनाने की एक मजबूत कला भी। आने वाले समय में अधिकांश लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बनायेगें। क्यों कि वर्तमान हरी – वरी और करी के भागदौड़ वाले जीवन में फायदेमंद है। न केवल बीमारियों से छुटकारा दिलाने का साधन है बल्कि शरीर, दिल और दिमाग को हल्का रखने में भी सहायक है।

दबंगों के हमले में घायल पत्रकार की इलाज के दौरान स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में मौत

प्रयागराज। कौशांबी जिले में जमीनी विवाद को लेकर एक न्यूज चौनल के पत्रकार की लाठी–डंडों से पीट कर हत्या कर दी गयी। मृतक पत्रकार अपनी जमीन पर कब्जा लेने के लिए गया था, तभी विपक्षियों ने हमला कर दिया। हमले में घायल पत्रकार की एक सप्ताह बाद स्वरूप रानी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरी थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव निवासी सऊद अंसारी प्रयागराज जिले में एक न्यूज चौनल में सवांददाता थे। उन्होंने गांव के ही रुस्तम से पौने दो बीघा खेती योग्य जमीन का बैनामा कराया था।

शनिवार को उसी खेत को जोतवाने के लिए वह अपने भाइयों और भतीजों के साथ ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचा। मामले की जानकारी रुस्तम के बेटे मुस्तफा को हुई तो वह भी मौके पर पहुंच गया और खेत जोतने का विरोध करने लगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों तरफ से लाठी डंडा चलने लगे। मारपीट में दोनों तरफ से कई लोगों को चोटें आई। मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। सूचना मिलने के बाद सीओ योगेंद्र कृष्ण नारायण, इंस्पेक्टर पिपरी श्रवण कुमार सिंह और चौकी प्रभारी मखदूमपुर संजय सिंह परिहार के साथ मय फोर्स मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सऊद अंसारी की हालत नाजुक बनी हुई थी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज चुकी है। शुक्रवार को अस्पताल में सऊद अंसारी की मौत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने दस जुआरियों को रंगेहाथ दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में कर्वी कोतवाल गुलाब त्रिपाठी की अगुवाई में चौकी प्रभारी जिला कारागार श्यामदेव सिंह व कोतवाली पुलिस टीम ने ताश के पत्तों पर हार–जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते दस लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

शुक्रवार को कोतवाली पुलिस टीम ने कृष्ण कुमार कुशवाहा पुत्र राजेन्द्र कुशवाहा, सुनील कुमार कुशवाहा पुत्र प्रेमनारायण, संतोष कुमार कुशवाहा पुत्र गिरजाशरण, सुनील श्रीवास पुत्र भगवानदीन, गोरेलाल साहू पुत्र रामधानी निवासी रगौली, बलराम लोधि पुत्र जमुना लोध निवासी बालापुर खालसा, दीनदयाल किहरा पुत्र गयादीन, राजेन्द्र रैकवार पुत्र रामखिलावन, धर्मेन्द्र कुमार पुत्र रामखिलावन व चुन्नू रैकवार पुत्र रामखिलावन निवासी अमरपुर कंठीपुर को गिरफ्तार किया।

दलित और अल्पसंख्यक को कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ाई लड़नी होगीः अरशद अली

प्रयागराज। आज से शुरू 10 दिवसीय चाय की दुकानों पर संविधान चर्चा हेतु रसूलपुर दलित बस्ती में शहर अध्यक्ष अरशद अली के नेतृत्व में राम प्रसाद की दुकान पर दलित और मुस्लिम संवाद के तहत संविधान पर चर्चा की गई।

इस मौके पर शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा कि आज पूरे देश में दलित और अल्पसंख्यक समाज मिलकर संविधान को बचाने का संकल्प लेना होगा क्योंकि 9 सालों में देश के अंदर तरह तरह की घटनाएं घटित हुई हैं। जिसमें यह साबित होता है कि कि देश में संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान खतरे में है। अरशद ने कहा संविधान है तो देश है, संविधान है तो हम हैं। दलित उत्पीड़न या अल्पसंख्यक के खिलाफ कानून से भी हटकर जिस तरह अन्याय हो रहा है इस अन्याय के खिलाफ इस मुहिम से लोगों को जागरूक करना और संविधान को बचाए रखना ही एकमात्र कांग्रेस का संकल्प है जिससे देश और संविधान बचा रहे और लोग आपने को सुरक्षित महसूस करे। इस अवसर पर मो हसीन, महफूज अहमद, आफताब अहमद, तबरेज अहमद, जाहिद नेता, मुख्तार अहमद, मो अकमल, मोहित नेगी, अनिल चौधरी, गुलाम वारिस, मो फाजिल, महेश यादव, लाला भाई आदि मौजूद थे।

महापौर ने किया पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण

संबंधित अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। महापौर प्रयागराज गणेश केसरवानी द्वारा बाढ़ पम्पिंग स्टेशनों, अस्थाई पम्पिंग स्टेशन व नाला सफाई व छीतपुर नाला व ताला ब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पार्षद आकाश सोनकर, रूद्र सेन, अनुपमा पाण्डेय, विनय कुमार मिश्रा व सतीश कुमार मुख्य अभियन्ता, कुमार महाप्रबन्धक जलकल, संध भूषण अधिशाषी अभियन्ता जलकल व दीपक कुमार व राम सक्सेना अवर अभियन्ता उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मोरी गेट पम्पिंग स्टेशन का निरीक्षण किया गया। उक्त पम्पिंग स्टेशन में 6 डीजल तथा 5 इलेक्ट्रिक पम्प स्थापित है तथा वह कार्य ठीक से कर रहे है। महापौर द्वारा पूछा गया कि कितने कर्मचारी कार्यरत है. महाप्रबन्धक जलकल द्वारा बताया गया कि वर्षा ऋतु में 8 से 10 कर्मचारी कार्यरत रहते है। उक्त पम्पिंग स्टेशन में नाला गन्दगी से भरा पाया गया कि जिसका सफाई कार्य चल रहा था। बख्शी बांध पम्पिंग स्टेशन में 7 डीजल व 10 इलेक्ट्रिक पम्प स्थापित है जो वर्तमान में चालू हालत में है नाला सफाई का कार्य चल रहा था। चाचर नाला पम्पिंग स्टेशन में 7 डीजल व 1 इलेक्ट्रिक पम्प स्थापित है जो वर्तमान में संचालित है अडानी ग्रुप द्वारा संचालित एस0टी0पी0 का निरीक्षण महापौर द्वारा किया गया। बाघम्बरी रोड पर फांसी मशीन द्वारा नाला सफाई का कार्य चल रहा था। महापौर द्वारा सभी स्थानों पर जहॉ पर नाला सफाई कार्य चल रहा है हर तीसरे दिन सिल्ट निस्तारण के निर्देश दिये गये। अस्थाई पम्पिंग स्टेशन गेट नं0 9 व 13 का निरीक्षण के दौरान सभी पम्प स्थापित करने की कार्यवाही हो रही है। उक्त पम्पों को स्थाई पम्पिंग स्टेशन बनाने का आदेश दिये गये।

मथुरा में बडे बिजली चोरों पर विद्युत विभाग की कार्यवाही

बिना कनेक्शन के होती मिली 12 किलोवाट भार की बिजी चोरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। बडे बिजली चोरों पर विद्युत विभाग की नजर टेढी हो गई है। विजलेंस टीम लगातार छापेमार कार्यवाही कर रही है। फरह में दो घरों में 15 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी है। पांच एसी मीटर बाईपास कर कर सीधे कटिया डालकर चलाए जा रहे थे। प्रबंधन निदेशक दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड आगरा के आदेश पर बड़े बिजली चोरों पर कार्यवाही जारी है। एमडी कैंप से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर मथुरा के फरह क्षेत्र के गांव में प्रवर्तन दल मथुरा व विभागीय टीम के साथ छापामार कार्यवाही कराई गई तो दो घरों में करीब 15 किलो वाट से अधिक की विद्युत चोरी पकड़ी गई है जिनमें पांच से अधिक एसी मीटर बाईपास करके सीधे कटिया से चलाए जा रहे थे। लखमीचंद पुत्र धर्मजीत निवासी ग्राम भैंसा के यहां तीन किलोवाट भार का मीटर लगा था जबकि आठ किलोवाट भार की खपत मिली। वहीं जगन्नाथ पुत्र धर्मजीत निवासी ग्राम भैंसा के यहां बिना संयोजन 12 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी गई। वहीं दूसरी ओर बलदेव टाउन और बरौली क्षेत्र में चला गया। संघन बिजली चेकिंग अभियान के दौरान 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। बरौली क्षेत्र के गांव गडसौली और जादोपुर में चोरी रोकने के लिए अवर अभियंता दीपेंद्र कुमार तथा बलदेव टाउन के अंतर्गत अवर अभियंता अशोक कुमार शर्मा की टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 19 बिजली चोरों की एफ आई आर थाना कृष्णा नगर में दर्ज कराई गई है। उपखंड अधिकारी बलदेव ने बताया कि बलदेव टाउन के अंतर्गत चोरी रोको अभियान चालू रहेगा।

प्रयागराज में महिला–कल्याण की योजनाओं को पढेंगे छात्र–छात्राएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में अब ष्स्त्री–अध्ययनष्को भी एक पाठ्यक्रम के तहत शामिल करने की पहल की गई है। एजुकेशन का हब कहे जाने वाले प्रयागराज में इसकी शुरुआत हुई है। प्रयागराज में स्नातक स्तर से स्त्री–अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में स्त्री आंदोलन का इतिहास, महिलाओं के अधिकार, स्त्री जागरूकता, स्त्री कल्याण के प्रयास और महिला कल्याण की योजनाओं आदि विषयों की पढ़ाई होगी। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र प्रयागराज को इसके लिए चुना गया है। केंद्र के एकेडमिक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश दुबे बताते हैं कि इसी शैक्षिक सत्र से इसकी शुरुआत हो रही है। उनका कहना है कि महिलाओं को लेकर समाज के कुछ हिस्सों में शेष रहे गए पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम इसी उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। स्त्री–अध्ययन के इस पाठ्यक्रम में स्नातक ,परा स्नातक से लेकर शोध तक की पढ़ाई होगी। केंद्र के एकेडमिक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश दुबे के मुताबिक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र प्रयागराज में इसी शैक्षिक सत्र से इस पाठ्यक्रम को शुरू किया जा रहा है। इसमें सबसे पहले 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया गया जिसमे 40 सीटें हैं। इसके बाद 2 वर्षीय परास्नातक में भी यह पढ़ाया जाएगा जिसमे 30 सीट के लिए प्रवेश होगा। पाठ्यक्रम को शोध स्तर तक भी आगे लाया जाएगा जिसमे 18 सीट होंगी। इसके अध्यापन के लिए अलग से 3 एसोसिएट प्रोफेसर नियुक्त किये गए हैं। वैसे इस पाठ्यक्रम में मल्टीपल एग्जिट और मल्टीपल एंट्री का भी विकल्प रखा गया है। इसमें एक साल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट, दो साल की पढाई करने वाले को डिप्लोमा , 3 साल में डिग्री और चौथे साल में ऑनर्स की डिग्री प्रदान करने का प्रावधान है। एक विशेष प्रावधान यह भी किया गया है कि इसी पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्र को बगैर किसी प्रवेश परीक्षा के सीधे एमए में दाखिला दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।